भारत त्योहारों का देश है, जहाँ हर उत्सव के पीछे एक गहरा आध्यात्मिक संदेश छिपा होता है। होली, जिसे हम 'रंगों का त्योहार' कहते हैं। वास्तव में यह पर्व हमारी आत्मा को गुणों के रंगों से सजाने का पर्व है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता ये है कि यह हमें 'प्रेम और क्षमा' का पाठ पढ़ाता है। वास्तव में बाज़ार से मिलने वाले रंगों से कहीं अधिक मूल्यवान प्रेम और क्षमा का गुलाल है। जैसा कि किसी कवि ने बहुत सुन्दर कहा है कि :- 'होलिका दहन के साथ जलें मन के सब विकार, प्रेम और क्षमा से महके ये सारा संसार।'

1. मन की सफाई : बाहर की सफाई के साथ-साथ मन के कोने-कोने से द्वेष को साफ करें।

2. मधुर वाणी : अपनी वाणी में प्रेम का रंग घोलें ताकि सुनने वाले को सुख मिले।

3. क्षमा का उपहार : जिससे मन-मुटाव हो, उसे दिल से माफ कर भाईचारे का संदेश फैलाएं।

रंगों के इस त्योहार में, प्रेम की हो बौछार,
क्षमा के इस गुलाल से महके आपका संसार।
बीती बातों को भूलकर सबको गले लगाओ,
सच्ची होली खेलकर जग में खुशियां फैलाओ।

अंततः, जब हम प्रेम के गुलाल से सबको अपनाते हैं और क्षमा की फुहार से कड़वाहट को धो लेते हैं, तब हमारा पूरा जीवन ही एक उत्सव बन जाता है। याद रखें - 'प्रेम और क्षमा' ही वह अविनाशी गुलाल है जो कभी फीका नहीं पड़ता'। परमात्मा इसी सच्ची होली से प्रसन्न होते हैं और हमारे जीवन को सुख-शांति के रंग से भर देते हैं। इस पावन पर्व पर सारे गिले-शिकवे मिटाकर एक-दूसरे को गले लगाएं और रिश्तों में खुशियों का रंग भरें।

प्रेम और क्षमा होली का असली गुलाल...

होली का आध्यात्मिक रहस्य

'हो-ली' आध्यात्मिक दृष्टि से 'हो-ली' का अर्थ है, जो हो गया। अक्सर मनुष्य पुरानी बातों, दुःखों और कड़वी यादों को पकड़कर बैठा रहता है, जिससे उसका वर्तमान बोझिल हो जाता है। परमात्मा हमें संदेश देते हैं कि 'बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुध लें'। जो बीत गया उसे भुला देना ही सच्ची होली है। जब हम पुरानी बातों को विदा कर देते हैं, तभी हमारे जीवन में नयी उमंग का प्रवेश होता है।

'प्रेम और क्षमा' जीवन के वास्तविक रंग

होली के दिन लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भुला कर एक-दूसरे को गले लगाते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य का मूल स्वभाव 'नफरत' नहीं बल्कि 'प्रेम' है। परमात्मा का सबसे प्रिय गुण प्रेम है। कहते हैं परमात्मा प्यार का भूखा है। 'लव इज़ गॉड और गॉड इज़ लव' ये भी कहते हैं।

इसी संदर्भ में एक अद्भुत विचार है कि प्रेम गोस्वामी ही होली का असली गुलाल है। इसका अर्थ है कि जो व्यक्ति अपनी इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर(गोस्वामी बनकर) हृदय में निःस्वार्थ प्रेम धारण करता है, वही इस संसार में सच्ची होली खेलता है। क्षमा वह शक्ति है जो रिश्तों की दरारों को भर देती है। जब हम किसी को क्षमा करते हैं, तो हम खुद को भी उस मानसिक बोझ से आज़ाद कर लेते हैं।

परमात्मा का संदेश और शुभ संकल्प

परमात्मा हमें सिखाते हैं कि जैसे वो हमारे अपराधों को क्षमा कर हमें अपनाते हैं, वैसे ही हमें भी सबको अपनाना चाहिए। 'होलिका दहन' का अर्थ केवल लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर में क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को 'ज्ञान की अग्नि' में भस्म करना है। अपनी कमियों की आहुति देना ही परमात्मा के प्रति सच्ची निष्ठा है।

कैसे मनायें इस बार की असली होली?

इस वर्ष की होली को केवल पानी और रंगों तक सीमित न रखें। आइए संकल्प लें –

रशिया–मॉस्को। जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र,भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव व दीपावली,मानवता की सांस्कृतिक विरासत,यूनेस्को कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी, डॉ. सर्गेई सेरेब्रिआनी,डायरेक्टर इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस स्टडीज इन द ह्यूमैनिटीज, एकातेरिना रिप्रिंटसेवा, डॉ. मैक्सिम डेमचेंको, मैक्सिम लियोनोव, इवान टॉल्चेलनिकोव, सर्गेई अवाकोव तथा अन्य।

रशिया–मॉस्को। मॉस्को सरकार की एक्सटर्नल इकोनॉमिक एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स विभाग की हेड ओल्गा झिलिना व एग्जीक्यूशन डिविजन प्रोजेक्ट की डारिया पुस्तोवालोवा से मुलाकात कर संस्था की गतिविधियों से परिचित कराते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी।

दिल्ली–पीतमपुरा। 'परिवार और व्यवहार' कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्वलन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सविता दीदी,माउंट आबू, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रभा, ब्र.कु. सुनीता तथा अन्य।

दलसिंहसराय–समस्तीपुर(बिहार)। नवनिर्मित कल्याणकारी भवन के उद्घाटन अवसर पर मंचासीन हैं राजयोगिनी ब्र.कु. रानी दीदी, भूमि दाता रामगोपाल सुरेका एवं चंद्रलेखा सुरेका, डॉ. लाखोटिया, अनीता, कंचन, स्नेहा, कृष्ण तथा अन्य गणमान्य व्यक्तिगण।

राउरकेला–ओडिशा। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्टील सिटी के बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम से जन-जन को जागरूक करने हेतु निकाली जाने वाली रैली के शुभारम्भ में सम्बोधित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. बनारसी लाल शाह,माउंट आबू। मौके पर उपस्थित रहे दुर्गा तांती,विधायक रघुनाथपल्ली, अमिय कुमार रथ,वाइस चांसलर बीपीयूटी, जसवंत सेठी,डीएफओ, जसकेतन बरिहा,सुपरिंटेंडेंट ऑफ एक्साइज, विपिन बिहारी गिरि,एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर-माइंस,आरएसपी, राजयोगिनी ब्र.कु. बिमला,उपक्षेत्रीय निदेशिका तथा अन्य अतिथिगण।

भरतपुर–हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी(राज.)। श्रीमती इंदु शर्मा,संयुक्त निदेशक,आयुर्वेद विभाग के सेवाकेन्द्र आगमन पर चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करने, उन्हें ईश्वरीय साहित्य व ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् चित्र में साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी व ब्र.कु. वर्षा।

राजगीर–बिहार। बिहार सरकार पर्यटन विभाग के द्वारा आयोजित राजगीर महोत्सव 2025 में ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा कराए गए राजयोग ध्यान के अभ्यास व मंगलाचरणाम प्रार्थना सभा में पर्यटन मंत्री,ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार, राजगीर विधायक कौशल किशोर, अस्थावां विधायक जितेन्द्र कुमार तथा हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

श्रीगंगानगर–राज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'पत्रकार वार्ता' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया विंग के नेशनल कोऑर्डिनेटर राजयोगी ब्र.कु. शांतनु,माउंट आबू, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. ऊषा तथा अन्य पत्रकार भाई।

अयोध्या–उ.प्र.। कमिश्नर राजेश कुमार से ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शशि। साथ हैं ब्र.कु. शैलजा।